FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Maters of Arts in Hindi

(Semester I)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2022-23

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

Masters of Arts (Hindi)

Session 2022-23

Programme Specific outcomes-

PSO-1: भाषा उच्चारण में निपुणता , व्याकरण सम्बन्धी अवधारणा की स्पष्टता |

PSO-2: प्राचीन एवं नवीन हिन्दी कवियों की देन के गहन ज्ञान की प्राप्ति |

PSO-3: हिन्दी के भाषिक और साहित्यिक रूप के साथ साथ उसके प्रयोजनमूलक रूपों – बैंक, रेलवे , समाचार पत्र , रेडियो , टेलीविज़न , मीडिया , अनुवाद की जानकारी एवं रोज़गार के अवसर |

PSO-4: भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा, विभिन्न समीक्षा पद्धतियों का सम्यक ज्ञान| रस, शब्द शक्तियों और विविध वादों का गहन अध्ययन |

PSO-5: भाषा और भाषा विज्ञान, समाज विज्ञान , मनोभाषा विज्ञान , शैलीविज्ञान , रूपांतरण प्रजनक , व्यवस्था परक एवं प्रकार्य परक व्याकरण की समस्त जानकारी एवं भाषा वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में साहित्य का विश्लेषण करने का सम्पूर्ण ज्ञान |

PSO-6: देवनागरी लिपि का ज्ञान , समास, सन्धि, उपसर्ग , प्रत्यय , लिंग, वचन, कारक की व्यावहारिक जानकारी |

PSO-7: कोश निर्माण के सिद्धांत, प्रक्रिया , विभिन्न कोश ग्रन्थ और विभिन्न कोशकारों का सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान में दक्षता |

PSO-8: हिन्दी की प्रयोजन मूलकता को सिद्ध करती पत्रकारिता के क्षेत्र की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक जानकारी , सम्पादन , प्रूफ पठन, समाचार लेखन व वाचन , उद्घोषणा: लेखन व वाचन, संवाद , विज्ञापन, फीचर , रिपोर्ताज , पटकथा , डाक्यूमेंट्री , नाटक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान |

PSO-9: राजभाषा शिक्षण के अंतर्गत राजभाषा के अधिनियम , राष्ट्रपति के आदेशों संवैधानिक नियमों की सम्पूर्ण जानकारी और कार्यालयी टिप्पण , प्रारूपण , संक्षेपण , विस्तारण, पत्र लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत की विस्तृत जानकारी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2022-23

Course Code: MHIL - 1261

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: हिन्दी के आदिकालीन तथा मध्यकालीन कवियों के काव्य-सौन्दर्य को जान सकेंगे और अमीर खुसरो, कबीर और जायसी के काव्य की व्याख्या से परिचित होंगे

CO-2 : इस इकाई में विद्यार्थी अमीर खुसरो के साहित्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा उनका हिंदी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है|

CO-3: वे कवि कबीर की वाणी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा भक्त कवियों का हिन्दी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है|

CO-4: वे सूफी काव्य परम्परा के शीर्षस्थ कवि जायसी के पद्मावत की प्रेम अभिव्यंजना,लोकसंस्कृति और नागमती के वियोग वर्णन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-1262

हिंदी साहित्य का इतिहास (खंड-एक)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1 : इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी साहित्य के इतिहास के अर्थ और साहित्य इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित होंगें |

CO–2 : आदिकाल के नामकरण और सीमा निर्धारण जैसे विवादित एवं अनिर्णीत विषयों के प्रति सजग होने के साथ आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृतियों से अवगत होंगें|

CO–3 : भक्तिकाल की पृष्ठभूमि और सगुण-निर्गुण काव्यधाराओं में प्रमुख गौण कवियों और काव्य प्रवृत्तियों को समझेंगे |

CO–4 : रीतिकाल की परिस्थितियों एवं प्रमुख एवं गौण काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगें |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-1263

Course Title:भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1 : भारतीय काव्यशास्त्र में हम साहित्य एवं समीक्षा के सम्बन्ध में विद्वान आचार्यों के द्वारा दिए गये मतों एवं सिद्धांतों के क्रमिक विकास ,साहित्य पर उनके प्रभाव ओर उनके योगदान तथा उनकी सीमाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं |

CO–2 : रस आंतरिक आनंदानुभूति है तो अलंकार बाह्य सौन्दर्य-विधान |रस का व्यावहारिक ज्ञान अगर विद्यार्थियों की आंतरिक गहनता को परखने में सहायक होगा तो अलंकार उनके मन के कल्पनात्मक तत्वों को सक्षमता प्रदान करेंगे |

Co–3 : ध्वनि, रीति और वक्रोक्ति का ज्ञान विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति में परोक्ष एवं सूक्ष्म भूमिका निभाने वाले तत्वों की जानकारी उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान ओर व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करती है |

CO–4 : विद्यार्थियों को औचित्य सिद्धांत की जानकारी प्राप्त होगी एवं वे आलोचना की विभिन्न प्रवृत्तियों के बारे में जान सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-1264

Course Title:प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Outcomes :

CO-1: इकाई एक के द्वारा विद्यार्थी भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे | कार्यालय में प्रयुक्त कार्यप्रणाली व कामकाजी हिंदी के रूपों संक्षेपण,पल्लवन,प्रारूपण,पत्रलेखन व टिप्पण लेखन की विशेष जानकारी प्राप्त होगी |

CO-2:ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली एवं इसी से सम्बन्धित सैद्धांतिकी का ज्ञान प्राप्त होगा |

CO-3:कम्प्यूटर से यद्यपि कोई परिचित नहीं परन्तु सैद्धांतिक रूप से इसकी विस्तृत जानकारी विद्यार्थी अर्जित कर सकता है | इस इकाई के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी इंटरनेट से की जाने वाली ई मेल, लिंक,डाउनलोडिंग की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-4:इस इकाई से विद्यार्थी कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूपों के सम्बन्ध में तथा कम्प्यूटर शब्दों के हिंदी रूपों का परिचय प्राप्त कर अपने ज्ञान में वृद्धि करेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-1265

(वैकल्पिक अध्ययन)

विकल्प –एक

हिंदी नाटक और रंगमंच

Course Outcomes :

CO-1: नाटक हिंदी गद्य साहित्य की अन्यतम विधा है | इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल में भारतेंदु युग के नाटकों के विकास तथा रंगमंच के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा महान नाटककारों भारतेंदु, जयशंकर प्रसाद तथा लक्ष्मीनारायण लाल का अध्ययन करेंगे | प्रथम इकाई में विद्यार्थी नाटकों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे |

CO-2: भारतेंदु युग के नाटककारों ने लोक चेतना के विकास के लिए नाटकों की रचना की ताकि उस समय की सामाजिक समस्याओं को नाटकों में अभिव्यक्त किया जा सके | द्वितीय इकाई में विद्यार्थी भारतेंदु कृत नाटक 'अंधेर नगरी' का गहन अध्ययन करेंगे |

CO-3:तृतीय इकाई के माध्यम से विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी' का गहन अध्ययन करेंगें तथा ऐतिहासिक नाटकों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगें |

CO-4:चतुर्थ इकाई के माध्यम से विद्यार्थी सुरेन्द वर्मा कृत 'आठवाँ' सर्ग नाटक का अध्ययन करेंगें| यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों की रंगमंच के प्रति रूचि उत्पन्न करेगा और उनकी सृजनात्मक क्षमता को उभरने में मदद करेगा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–दो

कोश विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: कोश विज्ञान की उत्पत्ति ,अर्थ, पर्याय , विलोम आदि जानने का सबसे सरल , उपयोगी एवं अनुकरणीय माध्यम है |

CO-2: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी कोश की उपयोगिता, कोश के भेद और कोश और व्याकरण के अंतर्संबंध के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकता है |

CO-3: कोश के निर्माण की प्रक्रिया, कोश के प्रकार , कोश निर्माण में आने वाली कठिनाइयों के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकता है |

CO-4: कोश विज्ञान के साथ ध्वनि,व्याकरण व्युत्पति शास्त्र और अर्थ विज्ञान का गहन अध्ययन – विश्लेषण करने में सक्षम हो सकता है |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प –तीन

पंजाब का मध्यकालीन हिंदी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थी इस प्रश्नपत्र में पंजाब के हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि के बारे में जानेंगे |

CO-2: इतिहास के अतिरिक्त विद्यार्थी , गुरु काव्यधारा , राम काव्यधारा , कृष्ण काव्यधारा व सूफी काव्यधारा के अध्ययन के साथ- साथ गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्तिकालीन गद्य साहित्य का ज्ञानार्जन कर सकेगा |

CO-3 : गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी काव्य तथा श्री मद भगवद गीता के सन्दर्भ में अनुवाद एवं भाष्य का अध्ययन कर सकेगा |

CO-4: विद्यार्थी चतुर्थ इकाई में जन्म साखी साहित्य, टीकाएँ, अनुवाद एवं भाष्य के बारे मं जानकारी प्राप्त करेंगे |

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Maters of Arts in Hindi

(Semester II)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2022-23

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2022-23

Course Code: MHIL - 2261

मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी 'मध्ययुगीन हिन्दी काव्य के अंतर्गत तुलसी, मीरा जैसे भक्त कवि और रीति कवि बिहारी के काव्य के गूढ़ार्थ से परिचित होंगे।

CO-2: राम काव्य सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करते हुए तुलसीदास की समन्वय साधना, लोकनायकत्व, भक्ति भावना एवं दार्शनिक सिद्धान्तों का गहन अध्ययन करने में समर्थ होंगे।

CO-3: मीराबाई के काव्य के अध्ययन से विद्यार्थी उनकी भक्ति भावना, दार्शनिक सिद्धांत एवं काव्य सौष्ठव का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO-4: रीतिकालीन कवि बिहारी की सतसई के गहन अध्ययन से विद्यार्थी सतसई में वर्णित भक्ति, नीति, श्रृंगार से संबंधित बिहारी के अभिधार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ को समझेंगे।

CO-5: समग्रत: मध्युगीन भक्ति काव्य विद्यार्थियों को नवीन शोध हेतु प्रेरित करने में सक्षम होगा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-2262

हिंदी साहित्य का इतिहास (खंड-दो)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1: आधुनिक काल के साहित्य की पृष्ठभूमि में निहित परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ विद्यार्थी इस पाठयक्रम के द्वारा आधुनिक खड़ी बोली साहित्य के जनक भारतेंदु एवं उनके समकालीन साहित्यकारों की विशेषताओं को समझेगें |

CO–2 : द्विवेदी युग एवं छायावाद युग के प्रमुख कवियों एवं काव्य-प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करेंगे |

CO–3: उत्तरछायावाद युग की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे |

CO–4: आधुनिक हिंदी गद्य की विविध विधाओं के उद्भव और विकास की जानकारी प्राप्त करेंगें |

इकाई – चार

-नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध एवं आलोचना : उद्भव एवं विकास

–संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, जीवनी, आत्मकथा : उद्भव एवं विकास

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: रामचंद्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. साहित्य का इतिहास दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद् , पटना।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास – (भाग 1-16), नगरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. भारतेंदु मण्डल के समानान्तर और अपूरक मुरादाबाद मण्डल, हरमोहन लाल सूद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी।
9. हिन्दी काव्य का इतिहास: रामस्वरूप चतुर्वेदी।
10. हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास: पूरनचंद टंडन एवं विनीता कुमारी।
11. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका (भाग-3) : सूर्यप्रसाद दीक्षित ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-2264

मीडिया लेखन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है | इसी से इसके महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है | समाज में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है |

CO-2 :प्रथम इकाई के अध्ययन से विद्यार्थियों को जनसंचार,दूरसंचार एवं जनसंचार के माध्यमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी |

CO-3 :द्वितीय इकाई का अध्ययन करने से विद्यार्थी रेडियो के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और रेडियो नाटक,उद्घोषणा,विज्ञापन लेखन के कार्य करने के योग्य बनेंगे |

CO-4 :इकाई तीन के अंतर्गत विद्यार्थी दृश्य-श्रव्य माध्यमों की कार्य प्रणाली से परिचित होंगे व इस माध्यम से प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लिखने में प्रवृत हो अपनी सर्जनात्मक प्रतिभा का परिचय देंगे |

CO-5 : इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थी अनेक क्षेत्रों से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे और साहित्य की विधाओं का दृश्य-श्रव्य माध्यमों में कैसे रूपान्तरण होता है,यह भी जानने में सफ़ल होंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-2265

राजी सेठ – विशेष अध्ययन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

Co.1 : राजी सेठ के उपन्यास 'तत्सम' का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी स्त्री के जीवन में आने वाली समस्याओं का सामना करने में सक्षम होंगें |

Co.2 : लेखिका के व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए उनके कृतित्त्व का गहन अध्ययन करेंगे |

Co.3 : विद्यार्थी 'अनावृत कौन' कहानी के माध्यम से अस्तित्वादी चेतना और पुरुष मनोविज्ञान के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

Co.4 : 'अंधे मोड़ से आगे' कहानी के माध्यम से नारी मनोविज्ञान तथा बदलते वैवाहिक संबंधों का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-2266

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–एक

नाटककार मोहन राकेश

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: मोहन राकेश हिंदी जगत में कभी न भूला जाने वाला नाम है | इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी नाटककार मोहन राकेश के तीनों नाटकों का गहन अध्ययन करेंगें |

CO-2: संगीत नाटक आकादमी द्वारा मोहन राकेश के 'आषाढ़ का एक दिन ' नाटक का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण के लिए पुरस्कृत किया गया | द्वितीय इकाई में विद्यार्थी इसी नाटक का गहन अध्ययन करेंगे |

CO-3: तृतीय इकाई में विद्यार्थी नाटक 'लहरों के राजहंस'का अध्ययन करेंगे तथा नाटककार के नाट्य प्रयोगों तथा उनकी नाटय भाषा को जानने, समझने में सक्षम हो पायेंगे |

CO-4: चतुर्थ इकाई के माध्यम से मध्यवर्गीय परिवारों की समस्याओं को समझने हेतु नाटक 'आधे-अधूरे' का पठन-पाठन करेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-2266

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प –दो

भारतीय साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सम्पूर्ण भारतीय साहित्य के बारे में जानने के लिए यह प्रश्नपत्र सम्पूर्ण भारत को जोड़ने का काम करता है|

CO-2: अपने-अपने क्षेत्रों के अतिरिक्त सम्पूर्ण भारत में सीताकांत महापात्र, महाश्वेता देवी और विजय तेंदुलकर जैसे साहित्यकारों ने हिंदी भाषा और साहित्य में अपना क्या योगदान दिया है, इसकी पूरी जानकारी इस प्रश्नपत्र के माध्यम से मिलेगी|

CO-3: इसमें सीताकांत महापात्र की कविताओं के द्वारा अनुवाद माध्यम से विद्यार्थी भारतीय साहित्य की समृद्ध परम्परा से परिचित होता है|

CO-4: इसमें महाश्वेता देवी के उपन्यास अग्निगर्भ के माध्यम से विद्यार्थी इसका मूल कथ्य जान सकेगा और हिंदी एवं बंगला उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेगा|

Co-5: विजय तेंदुलकर के नाटक 'घासीराम कोतवाल' के अध्ययन से विद्यार्थी के मन में मराठी के समसामयिक जीवन और मराठी संस्कृति के प्रति जानने की उत्सुकता पैदा होगी|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2022-23

Course Code: MHIL-2266

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प –तीन

पंजाब का आधुनिक हिंदी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिंदी की विविध विधाओं के विकास में पंजाब का योगदान अतुलनीय है |

CO-2: इस प्रश्नपत्र में पंजाब के आधुनिक हिंदी साहित्य कि पृष्ठभूमि के हस्ताक्षरों का अध्ययन भी विद्यार्थी कर सकेगा |

CO-3: पंजाब के साहित्यकारों ने कहानी , उपन्यास , नाटक क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है | यहाँ विद्यार्थी इन क्षेत्रों में पंजाब के योगदान का ज्ञान प्राप्त करेगा |

CO-4: पंजाब के साहित्यकारों ने कविता , निबंध , आलोचना के क्षेत्र में भी विशेष योगदान दिया है | यहाँ विद्यार्थी इन क्षेत्रों में पंजाब के साहित्यकारों के योगदान का ज्ञान प्राप्त करेगा |

Co-5: इसमें विद्यार्थियों को पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त होगी और साथ ही पत्रकारिता में उनके अवदान को भी वह समझ सकेगा |

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
M.A. HINDI (Semester:III-IV)

(Under Continuous Evaluation System)

Session: 2022-23

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

Masters of Arts (Hindi)

Session 2022-23

Programme Specific outcomes-

PSO-1: भाषा उच्चारण में निपुणता , व्याकरण सम्बन्धी अवधारणा की स्पष्टता |

PSO-2: प्राचीन एवं नवीन हिन्दी कवियों की देन के गहन ज्ञान की प्राप्ति |

PSO-3: हिन्दी के भाषिक और साहित्यिक रूप के साथ साथ उसके प्रयोजनमूलक रूपों – बैंक, रेलवे , समाचार पत्र , रेडियो , टेलीविज़न , मीडिया , अनुवाद की जानकारी एवं रोज़गार के अवसर |

PSO-4: भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा, विभिन्न समीक्षा पद्धतियों का सम्यक ज्ञान | रस, शब्द शक्तियों और विविध वादों का गहन अध्ययन |

PSO-5: भाषा और भाषा विज्ञान, समाज विज्ञान , मनोभाषा विज्ञान , शैलीविज्ञान , रूपांतरण प्रजनक , व्यवस्था परक , प्रकार्य परक व्याकरण की समस्त जानकारी एवं भाषा वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में साहित्य का विश्लेषण करने का सम्पूर्ण ज्ञान |

PSO-6: देवनागरी लिपि का ज्ञान | समास, सन्धि, उपसर्ग , प्रत्यय , लिंग, वचन, कारक की व्यावहारिक जानकारी |

PSO-7: कोश निर्माण के सिद्धांत , प्रक्रिया , विभिन्न कोश ग्रन्थ और विभिन्न कोशकारों का सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान में दक्षता |

PSO-8: हिन्दी की प्रयोजन मूलकता को सिद्ध करती पत्रकारिता के क्षेत्र की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी , सम्पादन , प्रूफ पठन, समाचार लेखन व वाचन , उद्घोषणा : लेखन व वाचन, संवाद , विज्ञापन, फीचर , रिपोर्ताज , पटकथा , डाक्यूमेंट्री , नाटक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान |

PSO-9: राजभाषा शिक्षण के अंतर्गत राजभाषा के अधिनियम , राष्ट्रपति के आदेशों संवैधानिक नियमों की सम्पूर्ण जानकारी और कार्यालयी टिप्पण , प्रारूपण , संक्षेपण , विस्तारण, पत्र लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्दांत की विस्तृत जानकारी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022-23

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Course Outcomes:

Co-1: इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रस्थान बिंदु द्विवेदीयुगीन काव्य और तदुपरांत खड़ी बोली हिंदी कविता के स्वर्णयुग छायावादी काव्य को समझने के साथ हिंदी कविता के विकास में इन दोनों काव्यधाराओं के योगदान से अवगत होंगे |

Co-2: इस पाठ्यक्रम में द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि मैथिलीशरण गुप्त की सर्वश्रेष्ठ रचना 'साकेत' तथा छायावादी युग के प्रमुख कवि श्री जयशंकर प्रसाद की कृति 'कामायनी' तथा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कि कविताएं वस्तुतः समकालीन परिस्थितियों के समानांतर भारतीय चेतना के क्रमिक विकास कि उत्कृष्ट प्रस्तुति हैं|

Co-3: इससे विद्यार्थी एक समय की सामाजिक परिस्थितियों की सापेक्षता में बदल रहे जीवन मूल्यों के साथ मानव-चेतना के संघर्ष को सहज ही समझ सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2022 -23

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक गद्य साहित्य हिन्दी के श्रेष्ठ साहित्य का परिचायक प्रश्नपत्र है जिसमें महादेवी वर्मा कृत ‘अतीत के चलचित्र’ संस्मरण साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन स्त्री की स्थिति का मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे और संस्मरण साहित्य विधा को जानने में सक्षम होंगे|

CO-2: राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित कहानी संग्रह ‘एक दुनियां समानांतर’ में संकलित कहानियों के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी के उच्चकोटि के कथाकारों के साहित्यिक अवदान एवं कहानियों में वर्णित समस्याओं से परिचित होंगे|

CO-3: आधुनिक हिंदी साहित्य का उच्चकोटि का उपन्यास ‘गोदान’ प्रेमचंद की ऐसी कृति है जिसके माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन समाज की विसंगतियों, समस्याओं से जूझते पात्रों की अलक्षित सामर्थ्य एवं शक्ति से परिचित होंगे| इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए शोध के नवीन द्वार खुलते हैं|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022 -23

Course Code: MHIL-3263

भाषा विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी का संरचनात्मक स्तर पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

CO-2: भाषा के सही उच्चारण का कौशल प्राप्त कर सकते हैं।

CO-3: समय के बदलते परिवेश के अनुसार भाषा के रूप, वाक्य और अर्थ परिवर्तन की जानकारी हासिल कर सकते हैं।

CO-4: विभिन्न भाषाओं के व्याकरणिक स्तर पर तुलनात्मक अध्ययन की प्रवृत्ति पा सकते हैं।

CO-5: भाषा विज्ञान के विभिन्न व्याकरणों एवं विज्ञानों का सम्यक् अध्ययन करने में सक्षम हो सकते हैं।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022-23
Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता – प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थी रेडियो , टी.वी, समाचार पत्र हिन्दी विशेषग्य ,प्रोग्राम प्रोड्यूसर , संपादक, संवाददाता , अनुवादक , प्रूफ रीडर , के रूप में रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं।

CO-2: विद्यार्थी मीडिया हेतु विज्ञापन,पटकथा,संवाद एवं गीत लेखन के व्यवसाय को भी विकल्प के रूप में अपना सकता है।

CO-3: विद्यार्थी स्वतंत्र संवाददाता एवं स्तम्भ लेखक के रूप में अपना कैरियर बना सकते हैं।

CO-4: विद्यार्थी बतौर समीक्षक अपनी पहचान बनाने में योग्य होंगें।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022 - 23

Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प – एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न - पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिक्खों के प्रथम गुरु के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

CO-2: गुरु नानक जी की वाणी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं|

CO-3: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से उनके विचारों और जीवन में उनके महत्व के बारे में जानकारी हासिल कर सकते है|

CO-4: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से गुरुमुखी लिपि में रचित हिंदी साहित्य के प्रति जागरूक होगें|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2022-23
Course Code: MHIL - 3265

सूरदास

विकल्प – दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे ।

CO-2: मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित दार्शनिक भूमिका की समझने में सक्षम होंगे|

CO-3: सूरकाव्य में निहित संगीत, लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ – साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण – रस, छंद, अलंकार इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे ।

CO-4: सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थिओं की रूचि प्रोत्साहित होगी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2022- 23

Course Code: MHIL -3265

हिन्दी कहानी

विकल्प – तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: कहानी साहित्य को आत्मसात करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है | इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी – वर्ग को कहानी के स्वरूप,विकास यात्रा, कहानी के आन्दोलनों एवं समकालीन कहानी साहित्य की विशेषताओं का विस्तृत एवं गहन ज्ञान प्राप्त होगा |

CO-2: भीष्म साहनी की कहानियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के समक्ष पंजाब की तत्कालीन स्थिति, विभाजन की त्रासदी से उत्पन्न संत्रास, विदेशी वातावरण में अपनी मिट्टी की महक के दर्शन होंगे |

CO-3: मृदुला गर्ग की कहानियों के माध्यम से महानगरीय जीवन की विसंगतियों से जूझते मनुष्य से साक्षात्कार कर विद्यार्थी उनकी समस्याओं से अवगत होंगे |

CO-4: मन्नू भंडारी की कहानियों के द्वारा विद्यार्थी समकालीन संदर्भ में स्त्री की स्थिति, आधुनिक युग की समस्याओं से दो - चार होती, जूझती नारी एवं स्त्री अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का साक्षात्कार करेंगे |

CO-5:समग्रत: प्रश्नपत्र विद्यार्थी वर्ग के लिए आगामी शोध के लिए ज़मीन तैयार करता है |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2022 - 23

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: यह प्रश्नपत्र साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराता है । यह निबंध, नाटक एवं आत्मकथा साहित्य की त्रिवेणी है जिसमे स्नात होकर विद्यार्थी अपने ज्ञान को सम्पुष्ट करता है |

CO-2: विभिन्न निबंधकारों के निबंधों में साहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृति एवं सभ्यता का पुट मिलता है |

CO-3: 'आधे–अधूरे' के माध्यम से न केवल मोहन राकेश अपितु उनकी नाट्य दृष्टि, रंगमंचीयता एवं जीवन के आधे – अधूरेपन की त्रासदी से विद्यार्थी परिचित होंगे इस कृति के माध्यम से वे नाटककार के दृष्टिकोण से भी परिचित होंगे |

CO-4: आत्मकथा – 'सत्य के प्रयोग' के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन के सूक्ष्म दर्शन होंगे और साथ ही राष्ट्र के लिए गाँधी द्वारा किये गए प्रयासों एवं उनके त्याग से वे रूबरू होंगे |

CO-5: तीनों विधाएं विद्यार्थियों के लिए साहित्य के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए उनके आधारभूमि तैयार करती हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 - 23

Course Code: MHIL – 4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ – साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान।

CO-2: हिंदी की व्याकरणिक कोटियों के अध्ययन से भाषा के व्याकरणिक आधार को समझने की योग्यता का विकास।

CO-3: हिंदी की शब्द सम्पदा के अन्तर्गत तत्सम, तद्भव, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों- अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी के शब्दों के परिचय से हिंदी की भाषायी क्षमता एवं आत्मसातीकरण की प्रवृत्ति का बोध।

CO-4: देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022–23

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: बहुभाषी देश भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी के महत्व का बोध|

CO-2: कार्यालयी एवं प्रशासनिक भाषा के रूप में हिंदी की प्रकृति का ज्ञान ।

CO-3: बतौर राजभाषा हिंदी के उद्भव और विकास का परिचय ।

CO-4: राजभाषा हिंदी के विकास के लिए विभिन्न संस्थाओं, केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के द्वारा किये जा रहे प्रयत्नों की जानकारी ।

CO-5: भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर हिंदी के सामर्थ्य एवं भविष्य की जानकारी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2022 -23

Course Code: MHIL - 4265

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन

विकल्प–एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: गुरु काव्य परम्परा में गुरु तेग बहादुर जी के योगदान का परिचय।

CO-2: गुरु तेगबहादुर जी के काव्य के दार्शनिक चिन्तन के व्याख्यात्मक पक्ष की अनुभूति।

CO-3: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी के सांस्कृतिक पक्ष के दर्शन।

CO-4: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी में अद्वैत दर्शन।

CO-5: वाणी के माध्यम से गुरु काव्य परम्परा एवं आदि ग्रंथ के समन्वयात्मक संदेश से साक्षात्कार।

CO-6: वाणी के माध्यम से तत्कालीन सन्दर्भों का सूक्ष्म अध्ययन।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2022-23
Course Code: MHIL- 4266
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प–तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: चिंतामणि भाग एक दो तीन के सभी निबंधों को पढकर विद्यार्थी शुक्ल जी की दृष्टि से परिचित होंगे|

CO-2: इकाई दो के माध्यम से विद्यार्थी शुक्ल जी से पूर्व निबंध साहित्य के स्वरूप के विषय में जान सकेंगे और शुक्ल जी के दृष्टिकोण से भी ज्ञान प्राप्त करेंगे |आधुनिक काल में हिंदी साहित्य में निबन्ध विधा की क्या स्थिति है,इसके विषय में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-3: इस इकाई में निबंधों का सर्वेक्षण करते हुए निबंधों की कोटियों का सर्वेक्षण किया जाएगा| विद्यार्थी शुक्ल जी के निबन्धों की मूल्य-दृष्टि,उनके वैशिष्ट्य तथा उनके सभी प्रकार के निबंधों की विशेषताओं से लाभान्वित होंगे |

CO-4: इस इकाई के द्वारा विद्यार्थी यह जानने में समर्थ होंगे कि शुक्ल जी पर अपने पूर्ववर्ती निबंधकारों का क्या प्रभाव पड़ा और परवर्ती निबंधकार उनसे कैसे प्रभावित हुए |विद्यार्थी शुक्ल जी के निबंधों की भाषा,शैली की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे | इस प्रकार से उनके निबंधों की समीक्षा भी की जाएगी |